लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17
वर्ष 03 अंक 39 लखनऊ। सोमवार 19 से 25 जून-2017
e-mail-pawanprawah@gmail.com
मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

प्राणिक ऊर्जा-क्या हैं ऊर्जा चिकित्सा उपचार

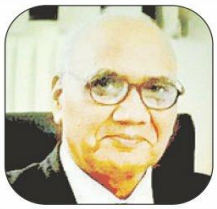

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

(भाग-05)

पिछले 4 (चार)-अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का सन्चार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर के प्रमुख स्थानों पर चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है तथा उर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, को विस्तार से बताने की कोशिश की गयी थी। इस अंक में, भौतिक शरीर से उत्पन्न उर्जा से शारीरिक रोगो के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), को स्पष्ट किया गया है।

5.0 प्राणिक ऊर्जा से उपचार : प्राणिक ऊर्जा से चिकित्सा उपचार के इस अद्धयन के पूर्व,हम यह जान चुके हैं कि हर जीवित चीज जो मौजूद है वह सार्वभौमिक ऊर्जा है, जो सभी जीवन को जोड़ती है और पोषण करती है। इस ऊर्जा को कई अलग-अलग नामों से बुलाया गया है, जैसे प्राण, मन और चित इस ऊर्जा से बना एक 'अदृश्य' ऊर्जा क्षेत्र हर इंसान के आसपास है। यह प्रत्येक व्यक्ति के चारों ओर ऊर्जा क्षेत्र है जो अपने सभी पहलुओं में जीवन प्रक्रिया का पूर्ण रूप से समर्थन करता है- भौतिक शरीर के संचालन, भावनात्मक तथा दिमागी कार्यों और यहां तक कि आध्यात्मिक जीवन के सन्चालन के कार्यों को भी-जिसे हम आभा कहते हैं।

इस ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा बेजान या निष्क्रिय नहीं है-यह सक्रिय और जागरूक ऊर्जा है, जो सार्वभौमिक चेतना की ही एक कड़ी है जो हमारे प्रत्येक शरीर, समस्त जीवो और पूरे ब्रह्मांड का स्रोत है। शुद्ध चेतना के इस क्षेत्र में अनंत ज्ञान और शक्ति, अनंत प्रेम (एक सार्वभौमिक रचनात्मक शक्ति के रूप में) और असीमित स्वास्थ्य व कल्याण के भीतर विद्यमान है। इसमें आपके उच्च विचारो वाले (या सच्चे आत्म), आपके रोगी और सभी शामिल हैं। हमारे में प्रत्येक व्यक्ति की चेतना होती है- हम उन में से प्रत्येक इस सार्वभौमिक चेतना का एक अलग भाग है-परंतु हम सभी जुड़े हुए हैं और अंततः सभी एक हैं। इस उच्च आध्यात्मिक सत्य से आपका संबंध आपके भीतर है, अपने परम प्रकृति में आप शुद्ध चेतना हैं, जिसमें अनंत ज्ञान और उसमें अंतर्निहित शक्ति है।

ऊर्जा क्षेत्र (आभा)-जो सात परतों में मौजूद है और चक्र प्रणाली-जिसमें सात प्रमुख चक्र शामिल हैं, से बना है। यह एक दूसरे को जोड़ने के लिए पुल के रूप में कार्य करता है, एक शुद्ध-चेतना के क्षेत्र और इस दुनिया में जीवन के बीच सात कदम वाला एक जुड़ाव है।

5.1 जीवन शक्ति और उच्च क्षमता: जीवन शक्ति और उच्च क्षमताएं जो शुद्ध चेतना के क्षेत्र में मौजूद हैं, व्यक्ति के सांसारिक जीवन में व्यक्त की जाती हैं। अगर यह ऊर्जा क्षेत्र स्पष्ट, स्वस्थ और दोषों से मुक्त है, तो जीवित व्यक्ति प्रत्येक स्तर पर-आध्यात्मिक पहलुओं से, मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्तरों तक अच्छे स्वास्थ्य का प्रदर्शन करेगा। शरीर और मन की मानसिक स्वास्थ्य और सामंजस्य, आध्यात्मिक जागरूकता और उच्च मानवीय क्षमताएं, शुद्ध चेतना के क्षेत्र से सभी गुणों का प्रवाह करती हैं तथा व्यक्ति और उसके जीवन में सभी प्रकट होगी। कई बार, हालांकि ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जावान होते हुए दोष मौजूद होते हैं। जब इस ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा का प्रवाह कमजोर, अशुद्ध, असंतुलित या अवरुद्ध हो जाता है, तो ये ऊर्जावान दोष शुद्ध संबंध को शुद्ध आध्यात्मिक सत्य से शुद्ध चेतना के क्षेत्र और व्यक्ति के सच्चे आत्म को रोकते हैं। यह पूरे व्यक्ति की जीवित क्षमता की पूर्ण और स्वस्थ अभिव्यक्ति को भी रोकता है।

5.2 ऊर्जात्मक दोषों के कारण : इन ऊर्जात्मक दोषों के अंतिम कारण अक्सर शारीरिक और / या मनोवैज्ञानिक आघात हैं जो अक्सर पिछले जीवन में हुए कष्टकारी अनुभवों, हानिकारक जीवन परिस्थितियों या निष्क्रिय समस्याओं का एक (या एक श्रृंखला) के रूप में विद्यमान रहते है और इस तरह से ऊर्जावान आक्रमण का विरोध करते हुए मजबूत, स्वस्थ ऊर्जा से समझौता किया जाता है। और हां, ये तीन प्रभाव-व्यक्तित्व आघात (दमनग्रस्त यादों सहित), आभा और चक्र प्रणाली में मौलिक ऊर्जावान दोष (जिसमें नकारात्मक विचारों और भावनाओं के अनुरूप उन तक सीमित नहीं है) और अस्वास्थ्यकर अशुभ ऊर्जा (या तो आत्म-उत्पन्न या दूसरों के द्वारा लगाए गए)- एक साथ मौजूद हैं और निकट से संबंधित हैं। वे ऊर्जा क्षेत्र में अस्वास्थ्यकर ऊर्जावान स्थिति पैदा करते हैं, और भावनाओं, मन और आत्मा के कठोर और अस्वास्थ्यवादी पैटर्न उत्पन्न करते हैं जो व्यक्ति के सच्चे आत्म की पूर्ण और स्वस्थ अभिव्यक्ति को रोकते हैं और जो अंततः सांसारिक जीवन की समस्याओं को जन्म देगा। शारीरिक, भावनात्मक या मानसिक प्रकृति के रोग या बीमारियों को अक्सर अंततः प्रकट हो जाते हैं।

5.3 ऊर्जा उपचार के उपाय: ऊर्जा के क्षेत्र में उर्जावान दोषों को समझने और सुधारने के लिए ऊर्जा उपचार एक कला अथवा विज्ञान है। ऊर्जा रोगी के रूप में, आप अपने मरीज की ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति को अपने मजबूत, प्राकृतिक और स्वस्थ रूप में बहाल करने और उन दोषों को ठीक करने की कोशिश करेंगे, जो आपके रोगी के शरीर, भावनाओं, मन और आत्मा को स्वास्थ्य को बहाल करने और बनाए रखने में मदद करें। अतः आपका उपचार कार्य-भविष्य में बीमारी को रोकने के लिए, आपके रोगी के ऊर्जा क्षेत्र में दोषपूर्ण ऊर्जावान स्थिति का इलाज कर सकता है, जो अन्यथा भविष्य में बीमारी का कारण बन सकता है।

आप अपने रोगी के ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति के बारे में सहज जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए अपनी जागरुकता व अनुभव का विस्तार भी करेंगे, ताकि विभिन्न प्रकार के ऊर्जावान दोषों (और संभवतः उनके कारण भी) को समझ सकें।

यह चिकित्सा ज्ञान आपके सोच मन के उत्पाद नहीं है, लेकिन शुद्ध चेतना के क्षेत्र में निहित असीमित ज्ञान से आपके माध्यम से आता है। तब आप ऊर्जावान दोषों को ठीक करेंगे जो कि विभिन्न विशेष ऊर्जा उपचार तकनीकों का उपयोग करके मौजूद हैं। आप हीलिंग पावर उत्पन्न नहीं करते हैं जो चिकित्सा तकनीकों को काम करते हैं, लेकिन तकनीकों का उचित उपयोग आपको शुद्ध करने की शक्ति के लिए एक चैनल बनने में सक्षम बनाता है जो शुद्ध चेतना के क्षेत्र से आता है। अपने मरीज की ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जावान दोषों को भरकर आप अपने रोगी को अपने सच्चे आत्म और शुद्ध चेतना के क्षेत्र में निहित असीमित स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। व्यक्तित्व का एकीकरण, नकारात्मक विचारों, भावनाओं और आत्म-सीमित विश्वासों से परे स्वयं का एक नया दृष्टिकोण और ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जावान दोषों का उपचार से संभावित लाभ प्राप्त होता है।

उपचार कार्यों में आप वाद्य यंत्र, शुद्ध चेतना में अंतर्निहित ज्ञान और शक्ति के लिए एक शुद्ध चैनल के रूप में कार्य करने की क्षमता होनी आवश्यक है। आपके पास पहले से ही, अपने आप में, यह क्षमता मौजूद है-आपको केवल इसकी खोज और उसका उपयोग करने की आवश्यकता है। शरीर, दिमाग और आत्मा की बीमारीएं चेतना के व्यापक क्षेत्र में पूरी तरह से शुरू होती हैं-पूरी तरह से-तो आप उस स्तर से ठीक करते हैं जागरूकता के इस व्यापक क्षेत्र में, शुद्ध चेतना की स्थिति में आप एक शुद्ध रास्ता बनना चाहते हैं, एक समानता भी हैः आप, आपके रोगी, आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली चिकित्सा तकनीक, और ऊर्जा-सभी एक हैं।

5.4 ऊर्जा संग्रह करने की विधि: ऊर्जा चिकित्सक बनने के लिए, ऊर्जा संग्रह करने की विधि जिसे उर्जा चैनिलिंग कहते है, सीखना आवश्यक है। ऊर्जा चैनलिंग अपने आप में अतिरिक्त ऊर्जा लाने की विधि है, जिससे वह आपके शरीर के माध्यम से और आपके हाथों में प्रवाह कर सकती है, और उसके बाद इसे आपके रोगी में ले जा सकता है। आपके भीतर पहले से ही इस ऊर्जा को चलाने की क्षमता है-जो एक प्राकृतिक मानव क्षमता है- ऐसा करने के लिए आपको केवल ऊर्जा के लिए खुद को तैयार करने की आवश्यकता है। जैसे-जैसे आप अपने रोगी में ऊर्जा को चैनल के माध्यम से देना शुरू करते हैं, आपके मरीज की ऊर्जा क्षेत्र-उस सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग करेंगे, जिसकी आवश्यकता आप सबसे अधिक उस समय समझते हैं तथा आप अपने उपचार क्षमताओं में बदोत्तरी के साथ ऊर्जा को समझने में और अधिक सक्षम होंगे और अपने रोगी के ऊर्जा क्षेत्रों मे, ऊर्जावान दोषों को बन्द करने मे अधिक जागरूक हो सकेंगे। विभिन्न दोषों की जानकारी का अद्धयन करने के उपरांत आपको उन दोषों को ठीक करने के लिए ऊर्जा का उपयोग करने में एक सक्षम तकनीक अपनानी होगी तभी आप अपनी जागरूकता और क्षमताओं में वृद्धि के साथ, उपचार में एक उत्तरदायी रूप से अधिक सचेत प्रतिभागी बनेंगे और ऊर्जा उपचार के अपने अध्ययन को जारी रखकर, कुछ अत्यंत शक्तिशाली और रोमांचक विधि सीखकर प्रभावी ढंग से मानव ऊर्जा चिकित्सक बन सकेंगे।

यद्यपि, ग्रैंड मास्टर चाओ कोक सुई ने 1970 के दशक मे उर्जा चिकित्सा का तरीका इजाद किया, परंतु भारतवर्ष मे इस विधि का चलन पौराणिक काल से किसी न किसी रूप मे अपनायी जा रही है और गावो मे प्रचलन अभी भी मौजूद है। अगले अंक मे ऊर्जा कैसे अपने शरीर मे बुलाये/भरे, उसकी क्या विधि है, बताया जायेगा।

अगले अंक 6 को पढ़े...